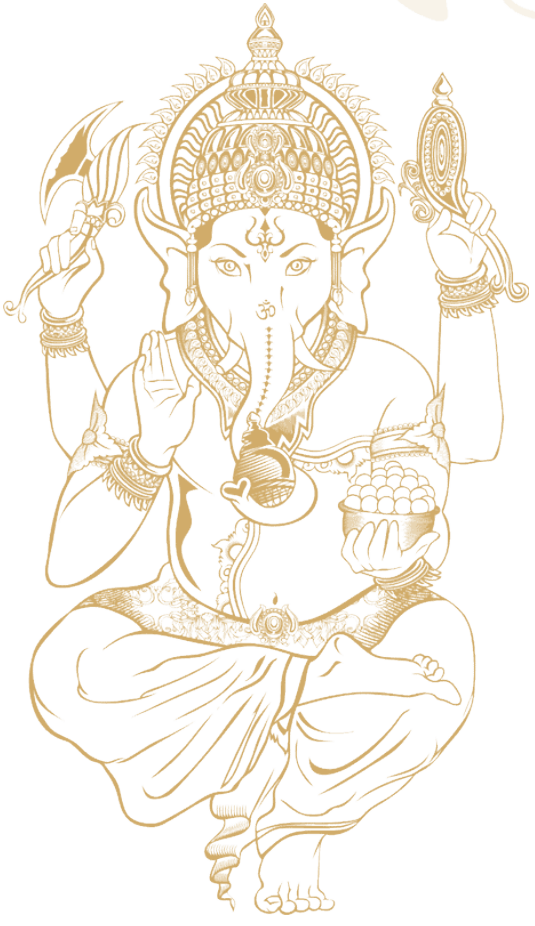

Amrish Saini Titron

01 Jul 1969

04:29 AM

Titron

Model: web-freekundliweb

Order No: 121787802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-01/07/1969**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:29:00 घंटे**
इष्ट	57:43:41 घटी
स्थान	**Titron**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:40:00 उत्तर
रेखांश	77:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:08:20 घंटे
वेलान्तर	-00:03:30 घंटे
साम्पातिक काल	22:43:39 घंटे
सूर्योदय	05:23:31 घंटे
सूर्यास्त	19:24:50 घंटे
दिनमान	14:01:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:30:36 मिथुन
लग्न के अंश	02:07:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:07:44	338:31:37	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			मिथु	15:30:36	00:57:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मक	01:36:32	15:13:51	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	08:38:12	00:06:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध			वृष	24:53:55	01:24:33	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	04:47:53	00:06:19	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	00:20:53	01:01:49	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि			मेष	13:19:38	00:04:51	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	नीच राशि
राहु	व		मीन	00:44:17	00:08:59	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	00:44:17	00:08:59	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	06:41:09	00:01:15	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	---
नेप	व		वृश्चि	02:52:02	00:01:05	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
प्लूटो			सिंह	29:11:19	00:00:53	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			कुंभ	15:54:11	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:25:54

लग्न-चलित

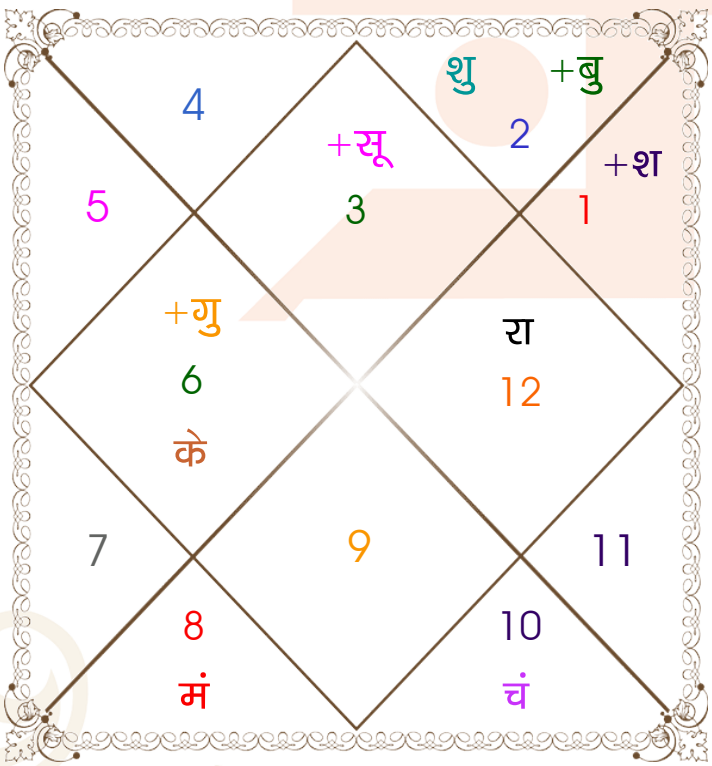

चन्द्र कुंडली

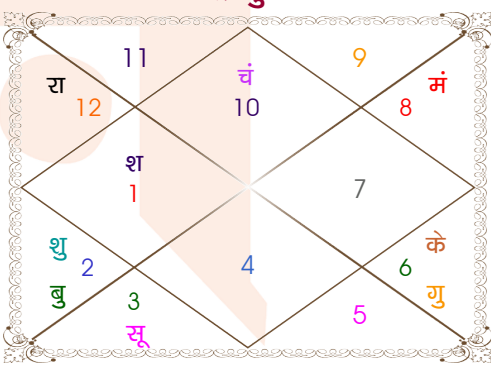

नवमांश कुंडली

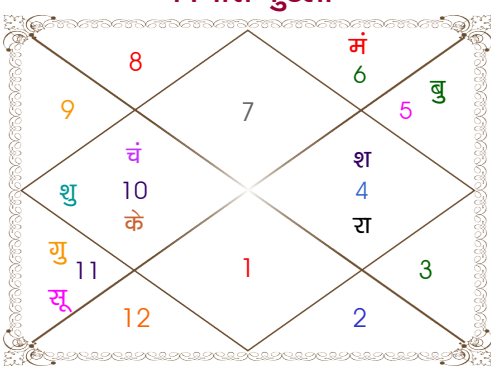

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 9 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/07/1969		10/04/1973		10/04/1983		10/04/1990		10/04/2008	
10/04/1973		10/04/1983		10/04/1990		10/04/2008		10/04/2024	
	00/00/0000	चंद्र	08/02/1974	मंगल	07/09/1983	राहु	21/12/1992	गुरु	29/05/2010
	00/00/0000	मंगल	09/09/1974	राहु	24/09/1984	गुरु	17/05/1995	शनि	09/12/2012
	00/00/0000	राहु	10/03/1976	गुरु	31/08/1985	शनि	23/03/1998	बुध	17/03/2015
	01/07/1969	गुरु	10/07/1977	शनि	10/10/1986	बुध	09/10/2000	केतु	21/02/2016
गुरु	14/02/1970	शनि	08/02/1979	बुध	07/10/1987	केतु	28/10/2001	शुक्र	22/10/2018
शनि	27/01/1971	बुध	10/07/1980	केतु	04/03/1988	शुक्र	28/10/2004	सूर्य	10/08/2019
बुध	04/12/1971	केतु	08/02/1981	शुक्र	04/05/1989	सूर्य	21/09/2005	चंद्र	09/12/2020
केतु	10/04/1972	शुक्र	10/10/1982	सूर्य	09/09/1989	चंद्र	23/03/2007	मंगल	15/11/2021
शुक्र	10/04/1973	सूर्य	10/04/1983	चंद्र	10/04/1990	मंगल	10/04/2008	राहु	10/04/2024

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/04/2024		10/04/2043		10/04/2060		10/04/2067		10/04/2087	
10/04/2043		10/04/2060		10/04/2067		10/04/2087		00/00/0000	
शनि	13/04/2027	बुध	06/09/2045	केतु	06/09/2060	शुक्र	10/08/2070	सूर्य	29/07/2087
बुध	22/12/2029	केतु	03/09/2046	शुक्र	06/11/2061	सूर्य	10/08/2071	चंद्र	28/01/2088
केतु	30/01/2031	शुक्र	04/07/2049	सूर्य	14/03/2062	चंद्र	10/04/2073	मंगल	03/06/2088
शुक्र	01/04/2034	सूर्य	11/05/2050	चंद्र	13/10/2062	मंगल	10/06/2074	राहु	28/04/2089
सूर्य	14/03/2035	चंद्र	10/10/2051	मंगल	11/03/2063	राहु	10/06/2077	गुरु	01/07/2089
चंद्र	12/10/2036	मंगल	06/10/2052	राहु	28/03/2064	गुरु	09/02/2080		00/00/0000
मंगल	21/11/2037	राहु	26/04/2055	गुरु	04/03/2065	शनि	10/04/2083		00/00/0000
राहु	27/09/2040	गुरु	31/07/2057	शनि	13/04/2066	बुध	08/02/2086		00/00/0000
गुरु	10/04/2043	शनि	10/04/2060	बुध	10/04/2067	केतु	10/04/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।